अभंग ५०

(राग: भूप जिल्हा - ताल: त्रिताल)

येई येई रामदासा। तोडी माझा हा भवफासा।।१।। नच घडो तें

अकर्म। तुझे भजनी दे प्रेम।।२।। दुष्ट वासना हे मोडी। चित्त तुझे

पायीं जोडी।।३।। पाहे क्षमादृष्टी जे कां। तारी दास हा

माणिका।।४।।